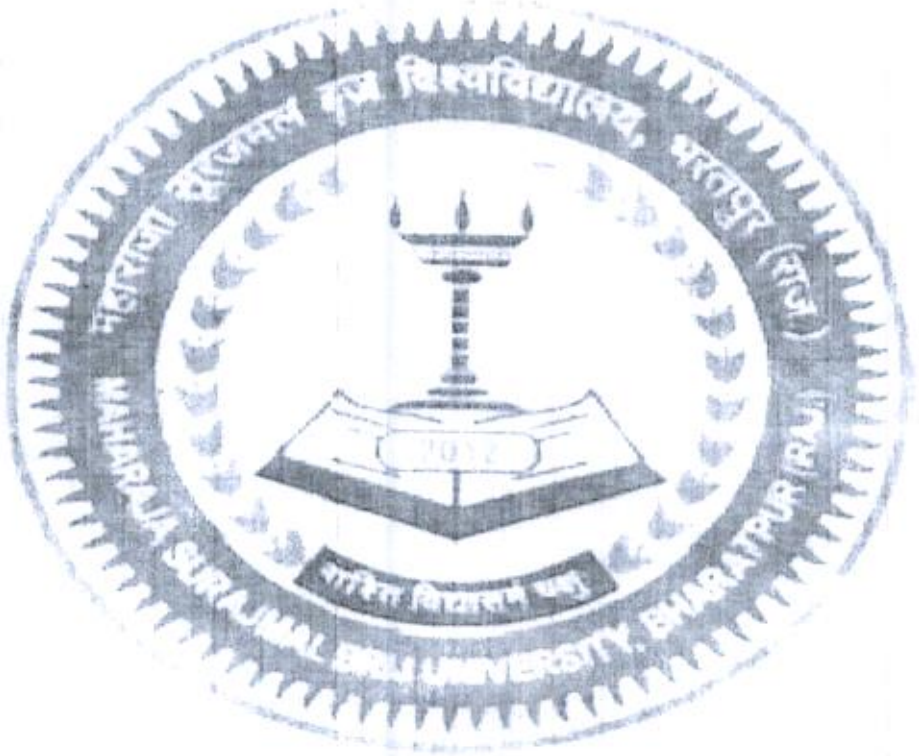

MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY
BHARATPUR (RAJASTHAN)

SYLLABUS

B.A / B.SC / B. COM- HINDI (GENERAL)

I & II SEMESTER

EXAMINATION-2024-25

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज.)

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम. पार्ट प्रथम

सामान्य हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर–व्यावहारिक हिन्दी एवं व्याकरण खण्ड

पूर्णांक : 50 समय 1. 30 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों मे हिन्दी भाषा की शब्द एवं व्याकरण संरचना का ज्ञान करना। 2. विद्यार्थियों मे भाषा एवं व्याकरण की दृष्टि से शुद्धता का ज्ञान कराना। 3. विद्यार्थियों में प्रारूप लेखन की क्षमता विकसित करना। 4. निबंध लेखन के माध्यम से छात्रों मे रचनात्मकता का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. जीवन की यथार्थ अनुभूति से जानकारी हो सकेगी। 2. व्याकरणीय ज्ञान से प्रतियोगी परीक्षाओं में भविष्य निर्धारित कर सकेगा। 3. हिन्दी भाषा व्याकरण से भाषाभिव्यक्ति की भावना एवं भावी लेखन की पृष्ठभूमि का विकास होगा। 4. व्याकरण ज्ञान से विद्यार्थी आदर्श एवं सभ्य नागरिक बन सकेगा।

नोट : उक्त प्रश्न पत्र 50 अंक का है। विद्यार्थी को 18 अंक लाना अनिवार्य है। व्याकरण खण्ड में दो भाग होंगे। व्यावहारिक हिन्दी एवं व्याकरण खण्ड। प्रत्येक भाग के लिए 25 अंक निर्धारित हैं।

प्रथम इकाई

i.	निबंध लेखन – शब्द सीमा 300 शब्द	8 अंक
ii.	कार्यालयी लेख – शासकीय–अर्द्धशासकीय पत्र, परिपत्र, अधिसूचना कार्यालयी ज्ञापन, विज्ञप्ति, कार्यालय आदेश।	4x2-8 अंक
iii.	संक्षेपण	5 अंक
iv.	पल्लवन	4 अंक

नोट – उपर्युक्त सभी में विकल्प देना अनिवार्य है।

द्वितीय इकाई

i.	शब्द निर्माण की प्रविधि – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास	5 अंक
ii.	वाक्य शुद्धि/शब्द शुद्धि	5 अंक
iii.	मुहावरे	5 अंक
iv.	पारिभाषिक शब्दावली	5 अंक
v.	व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण	5 अंक

नोट – उपर्युक्त सभी में विकल्प देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रंथ–

1. हिन्दी शब्द–अर्थ–प्रयोग – डॉ. हरदेव बाहरी
2. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी – डॉ. राघव प्रकाश
3. सामान्य हिन्दी– राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
4. हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज.)
बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम. पार्ट प्रथम
सामान्य हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर–साहित्य खण्ड

पूर्णांक 50 | समय 1.30 घण्टे | न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों में कल्पना शक्ति और विश्लेषणात्मक योग्यता का विकास करना। 2. गद्य और पद्य साहित्य के विश्लेषण की समझ और संवेदनात्मक अनुभूति का विकास करना। 3. गद्य और पद्य साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों एवं उनकी रचनाधर्मिता का परिचय कराना। 4. हिन्दी साहित्य के स्वरूप, भाषा और शैली की विकास यात्रा से अवगत कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. जीवन की यथार्थ अनुभूति से परिचय हो सकेगा। 2. आदर्श और सभ्य नागरिक बन सकेंगे। 3. आत्माभिव्यक्ति की भावना विकसित हो सकेगी तथा भावी लेखन की पृष्ठ भूमि का विकास होगा। 4. शोध की नवीन दृष्टि का विकास होगा।

नोट – उक्त प्रश्न पत्र 50 अंक का है। विद्यार्थी को 18 अंक लाना अनिवार्य है।
साहित्य खण्ड में दो भाग होंगे – पद्य भाग एवं गद्य भाग। प्रत्येक भाग के लिये 25 अंक निर्धारित है।
अंक निर्धारण

1. पद्य भाग से दो व्याख्या देना अनिवार्य है। 5x2=10
2. गद्य भाग से दो व्याख्या देना अनिवार्य है।
   (निर्धारित गद्य पाठ से एक व्याख्या व नाटक से एक व्याख्या देना अनिवार्य है) 5x2=10
3. पद्य भाग से दो आलोचनात्मक प्रश्न देना अनिवार्य है। 7½x2=15
4. गद्य भाग से दो आलोचनात्मक प्रश्न देना अनिवार्य है।
   (निर्धारित गद्य पाठ से एक प्रश्न व नाटक से एक प्रश्न देना अनिवार्य है) 7½x2=15
5. उपर्युक्त सभी में विकल्प देना अनिवार्य है।

प्रथम इकाई – पद्य

पद्य भाग – निम्नांकित पाठ निर्धारित है –

1. कबीर–
   1. मन रे ! जागत रहियै भाई।
   2. हमारे राम रहीम करीमा केसो अलह राम सति सोई।
   3. काजी कौन कतेब बखानै

   संदर्भ: कबीर ग्रंथावली – श्यामसुंदरदास

2. सूरदास–
   1. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत।
   2. मुरली तऊ गोपालहिं भावत।
   3. जसोदा बार बार यौं भाखै।

3. तुलसीदास–
   1. अबलौं नसानी अब न नसैहौं।
   2. ऐसो को उदार जग मांही।
   3. मन पछितैहैं अवसर बीते।

   संदर्भ: विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर

अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

4. रहीम–

दोहा
1. प्रीतम छवि नैनन बसी
2. बसि कुसंग चाहत कुसल
3. रहिमन अंसुआ नैन ढरि
4. रहिमन ओछे नरन सौं बैर भलौ ना प्रीति
5. रहिमन निज मन की बिथा
6. काज परै कछु और है
7. खैर खून खाँसी, खुसी बैर प्रीति मदपान
8. दादुर मोर किसान मन लग्यो रहे घन माँहि
9. पावस देखि रहीम मन कोइल साधै मौन
10. रहिमन बिगरी आदि को बनै न खरचे दाम ।

संदर्भ : रहीम ग्रन्थावली, विद्यानिवास मिश्र

5. मैथिलीशरण गुप्त–

साकेत अष्टमसर्ग से
कैकेयी का अनुताप,
तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे
सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।

6. प्रसाद

कामायनी, श्रद्धासर्ग – कहा आगन्तुक ने सस्नेह... विजयिनी मानवता हो जाय।

7. निराला : 1. भारती जय विजय करे
2. दलित जन पर करो करुणा

8. रामधारी सिंह दिनकर :

रश्मिरथी–तृतीय सर्ग – आरंभिक अंश
सच्चे शूरमा
सच है विपत्ति जब आती है... क्या कर सकती चिनगारी है?

द्वितीय इकाई – गद्य

गद्य भाग – निम्नांकित पाठ निर्धारित है–

1. कहानी	:	बड़े घर की बेटी (प्रेमचंद)
2. संस्मरण	:	प्रणाम (महादेवी वर्मा)
3. निबंध	:	मजदूरी और प्रेम (सरदार पूर्ण सिंह)
4. व्यंग्य	:	ठिठुरता हुआ गणतंत्र (हरिशंकर परसाई)
नाटक	:	वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल (ऐतिहासिक नाटक) (लेखक कुँवर पुष्कर सिंह)

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र, संपादित, मयूर पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास –आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल ऐतिहासिक नाटक – कुँ. पुष्कर सिंह
4. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास–डॉ. अशोक कुमार शर्मा एवं डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, मलिक एंड कम्पनी, जयपुर
5. गद्य-पद्य प्रभा –डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, संपादित, गौरव प्रकाशन, जयपुर

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम